आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(लघु प्रश्न)

- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ने किस पत्रिका का संपादन किया ?
- हजारीप्रसाद द्विवेदी की प्रथम आलोचनात्मक कृति क्या है ?
- समीक्षा के क्षेत्र में हजारीप्रसाद द्विवेदी का आगमन कब हुआ ?
- ' भारतीय चिंता का स्वाभाविक विकास ' हजारीप्रसाद द्विवेदी के किस ग्रंथ का भाग है ?
- ' हजारीप्रसाद द्विवेदी की छवि एक संवेदनशील आलोचक की अपेक्षा एक सहृदय पंडित की अधिक है ।' इसका प्रमुख कारण आप क्या समझते है ।
- ' हिंदी साहित्य का आदिकाल ' का प्रकाशन वर्ष क्या है ?
- किस आलोचक का संबंध शांतिनिकेतन से है ?
- ' तुलसी का सारा काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है ।' कथन किसका है ?
- ' भारत-वर्ष के लोक नायक वही हो सकता है जो समन्वय करने का अपार धैर्य लेकर आया हो ।' कथन किसका है ?
- निराला से बढ़कर स्वछन्दतावादी कवि हिंदी में कोई नहीं है । किसने कहा है ?
- ' यदि इस्लाम न भी आया होता तो भी भक्ति साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसे आज ।' किसने कहा ?
- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी शांतिनिकेतन किस वर्ष आए ?
- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी शांतिनिकेतन में कितने वर्ष तक रहे ?

- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी शांतिनिकेतन में हिंदी विभाग के अध्यक्ष किस वर्ष बने और कितने वर्षों तक अध्यक्ष पद पर आसीन रहें ?
- द्विवेदी जी मृत्यु किस वर्ष हुई ?
- ' द्विवेदी जी पंडित है , पर ठूँठ पंडित नहीं , सरस और गतिशील पंडित है । ' यह कथन किसने और किसके लिए कहा है ?
- ' व्याकरण की शुद्धता और भाषा की सफाई के प्रवर्तक द्विवेदी जी ही थे ....गद्य की भाषा पर द्विवेदी जी के शुभ प्रभाव का स्मरण जब तक भाषा के लिए शुद्धता आवश्यक समझी जाएगी तब तक बना रहेगा ।' कथन किसका है ?
- ' भारतेन्दु का पूर्ववर्ती काव्य साहित्य संतो की कुटिया से निकल कर राजाओं और रईसों के दरबार में पहुँच गया था , उन्होंने एक तरफ तो काव्य को फिर सब भक्ति की पवित्र मंदाकनी में स्नान कराया और दूसरी तरफ उसे दरबारीपन से निकालकर लोक जीवन के आमने-सामने खड़ा किया ।' भारतेन्दु के संदर्भ में यह कथन किसका है ?
- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी को किस वर्ष साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया ?
- किस रचना के आधार पर द्विवेदी जी को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?
- " हिंदी भाषा को आधुनिक रूप देने में ईसाई मिशनरियों का महत्वपूर्ण हाथ है । " कथन किसका है ?
- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की समीक्षा दृष्टि मूलतः क्या रही है ?
- " कबीर मस्तमौला थे । उनमें युगप्रवर्तक का विश्वास था और लोकनायक की हमदर्दी । " कथन किस आलोचक का है ?

- " सूरदास बालक का हृदय लेकर पैदा हुए थे " " तुलसी का सारा काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है । " कथन किस आलोचक का है ?
- नामवर सिंह की पुस्तक ' दूसरी परंपरा की खोज ' किस पर केंद्रित है ?
- " भाषा पर कबीर का ज़बरदस्त अधिकार था । वे वाणी के डिक्टेटर थे । जिस बात को उन्होंने जिस रूप में प्रकट करना चाहा , उसे उसी रूप में कहलवा लिया - बन गया तो सीधे-सीधे , नहीं तो दरेरा देकर । भाषा कुछ कबीर के सामने लाचार सी नज़र आती है । " कथन किसका है ?
- ' हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास ' का प्रकाशन वर्ष बताइए ।
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आलोचना के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रमुख व्यक्ति कौन - कौन है ?
- ' कबीर ' किस आलोचक का ग्रंथ है तथा इसका प्रकाशन वर्ष बताइए ।